गुरु घासीदास विष्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रेस–विज्ञप्ति **दिनांक : 11.10.2011**

बिलासपुरः गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में दिनांक 11 अक्टूबर, 2011 को विश्वविद्यालय के क्रीड़ांगन में पूर्वी क्षेत्र अन्तरविश्वविद्यालयीय खो–खो (महिला) स्पर्धा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री अमर अग्रवाल ने कहा कि हमारे जीवन में पढ़ाई के साथ खेल का भी अपना महत्व है। मानसिक विकास के साथ शारीरिक विकास भी उतना ही आवश्यक है। खेल ही एक ऐसी विधा है जिसमें शारीरिक विकास के साथ ही मानसिक विकास भी होता है। खेल से हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। जिस तरह से जीवन में उतार–चढ़ाव आता है उसी तरह खेल में भी हार–जीत होती है। खेल में हार मिलने पर हमें चूक से प्रेरणा लेनी चाहिए। कमियों का आकलन कर फिर से प्रयत्न करने व पुनः उठने की प्रेरणा मिलती है। खिलाड़ी खेल में हार–जीत को खेल भावना से लें। खेल आरम्भ करने से पहले जैसे हम खेल के नियमों–विधियों की शपथ लेते हैं उसी से हमें अनुशासन की सीख भी मिलती है। स्वास्थ्य मंत्री ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुए कहा कि अपनी प्रतिभाओं को निखारें और इस खेल में देश का नाम रोशन करें। इसके पहले माननीय मंत्री ने स्पर्धा के उद्घाटन की औपचारिक घोषणा की तथा एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटी के फ्लैग का ध्वजारोहण किया। हर्षोल्लास के प्रतीक रंगीन गुब्बारों को उड़ाया। इसी क्रम में पूर्वी जोन के तेरह विश्वविद्यालयों की महिला खो–खो टीमों ने सुमधुर संगीत की धुनों के बीच मार्च पास्ट कर सलामी दी। मार्च पास्ट का नेतृत्व विश्वविद्यालय का ध्वज लेकर डॉ. रतीन जोगी कर रहे थे। इन टीमों में वर्णानुक्रम में सबसे पहले अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवां, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी वाराणसी, दीनदयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी गोरखपुर, रांची यूनिवर्सिटी, सरगुजा यूनिवर्सिटी अम्बिकापुर, सम्बलपुर यूनिवर्सिटी ओडीशा, टी.एम. यूनिवर्सिटी भागलपुर, यूनिवर्सिटी ऑफ कल्यानी, विश्व भारती शांतिनिकेतन, वेस्ट बंगाल स्टेट यूनिवर्सिटी व मेजबान गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की महिला खो–खो टीमें विभिन्न आकर्षक परिधानों में मार्च पास्ट में शामिल रहीं। मेजबान महिला खो–खो टीम की खिलाड़ी राखी कुमारी ने मौजूद टीमों को सच्ची खेल भावना, सत्यनिष्ठा एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ ही स्पर्धा के नियमों व विधियों का पालन करने की शपथ दिलायी।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ. पी.सी. उपाध्याय ने कहा कि स्वस्थ मस्तिष्क के लिए स्वस्थ शरीर का होना आवश्यक है। अतः जीवन में खेल जरूरी है। खो–खो, कबड्डी जैसे खेल विशुद्ध रूप से भारतीय हैं। दुर्भाग्य की बात है कि इन खेलों को महत्ता नहीं मिल रही है। जो खेल काफी महंगे हैं उन्हें ही महत्व दिया जा रहा है जबकि खो–खो, कबड्डी जैसे खेलों में भी त्वरित निर्णय, चुस्ती– स्फूर्ति उतनी ही आवश्यक होती है। उन्होंने कहा कि खेल से

अनुशासन आता है और साथ–साथ रहने की भावना प्रबल होती है। आज चिंता की बात है कि बच्चों में सुबह–शाम खेलने की स्वस्थ परम्परा का लोप हो रहा है। उनकी शाम कोचिंग संस्थानों या कम्प्यूटर पर आधारित खेलों में ही व्यतीत हो रही है।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. एम.एस.के. खोखर ने माननीय कुलपति डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी द्वारा अमेरिका से दूरभाष पर भेजे गये संदेश को पढ़कर महिला खो–खो की खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कुलपति डॉ. चतुर्वेदी ने अपने संदेश में कहा है कि हम दिल व दिमाग दोनों से ही इस महत्वपूर्ण खेल आयोजन के साथ हैं। हमारा विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ ही खेलकूद, सांस्कृतिक जैसे इतर श्रेष्ठ कार्यों पर भी उतना ही ध्यान देता रहेगा जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके।

आरम्भ में मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती एवं गुरु घासीदास के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का श्रीगणेश किया। छात्राओं ने मां शारदा की वन्दना व विश्वविद्यालय कुलगीत तथा स्वागत गीत की मनोहारी प्रस्तुति कर मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसी क्रम में शारीरिक शिक्षा विभाग के संचालक एवं स्पर्धा आयोजन समिति के संगठन सचिव डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि एवं अतिथियों सहित समस्त खिलाड़ियों, कोचेज व टीम मैनेजरों का स्वागत किया। अंत में उन्होंने मुख्य अतिथि एवं उपकुलपति को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

उद्घाटन कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन स्पोर्ट, छत्तीसगढ़ के अस्टिेण्ट डायरेक्टर डॉ लक्ष्मीकान्त पाण्डेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एस.व्ही.एस. चौहान ने किया। इस अवसर पर कार्यपरिषद सदस्य श्री जावेद उस्मानी, डॉ. भारती भट्टाचार्या, प्रो. वी..के. मिश्र, छत्तीसगढ़ उद्योग संघ के अध्यक्ष श्री हरीश केडिया, सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. मोहन्ती के साथ ही सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे। कल दिनांक 12 अक्टूबर, 2011 के मैच प्रातः 09:30 बजे से प्रारम्भ होंगे।

मेजबान टीम ने जीता मैच, चार को मिला वाकओवर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के क्रीड़ागंन में आयोजित पूर्वी क्षेत्र अन्तरविश्वविद्यालयीय खो–खो महिला स्पर्धा के पहले दिन 11 अक्टूबर,2011 को चार टीमों को प्रतिद्वंद्वी टीमों के अनुपस्थित होने के कारण वाकओवर मिला जबकि अन्य टीमों के बीच संघर्षपूर्ण एवं रोमांचक मैच खेले गये जिसका खेलप्रेमियों ने लुत्फ उठाया। मेजबान गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की टीम को पहले दिन विजयश्री हासिल हुई। एक अन्य मैच में आमने–सामने की दोनों टीमें अनुपस्थित रहीं।

पहला मैच बी.एन. मण्डल माधेपुरा एवं वेस्ट बंगाल राज्य विश्वविद्यालय के विरुद्ध खेला जाना था जिसमें वेस्ट बंगाल राज्य विश्वविद्यालय को वाकओवर मिला।

दूसरा मैच विनोवा भावे हजारीबाग एवं एल.एन.एम. मिथिला के विरुद्ध खेला जाना था जिसमें दोनों ही टीमें अनुपस्थित रहीं।

तीसरा मैच टी.एम. भागलपुर एवं सरगुजा विश्वविद्यालय अम्बिकापुर के विरुद्ध खेला गया जिसमें सरगुजा विश्वविद्यालय अम्बिकापुर पहली पारी और 11 अंक से विजयी रही।

चौथा मैच कल्याणी विश्वविद्यालयएवं सम्बलपुर विश्वविद्यालय उड़ीसा के बीच खेला गया जिसमें कल्याणी विश्वविद्यालय पहली पारी और 18 अंक से विजयी रही।

पांचवा मैच बी.एच.यू. वाराणसी एवं एसके मुरमु डुम्का के बीच खेला जाना था जिसमें बी.एच.यू. वाराणसी को वाकओवर मिला।

छठवां मैच गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर एवं ए.पी.एस. रीवा के विरुद्ध खेला गया जिसमें गुरु घासीदास विश्वविद्यालय पहली पारी और 08 अंक से विजयी रही।

सातवां मैच मगध विश्वविद्यालय बोधगया एवं डी.डी.यू. गोरखपुर के विरुद्ध खेला जाना था जिसमें डी.डी.यू. गोरखपुर को वाकओवर मिला।

आठवां मैच उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर एवं विश्वभारती शान्ति निकेतन के विरुद्ध खेला गया जिसमें उत्कल विश्वविद्यालय 12 अंक से विजयी रही।

नौवां मैच वेस्ट बंगाल राज्य विश्वविद्यालय एवं रांची विश्वविद्यालय के विरुद्ध खेला गया जिसमें वेस्ट बंगाल राज्य विश्वविद्यालय पहली पारी एवं 04 अंक से विजयी रही।

दसवां मैच सरगुजा विश्वविद्यालय अम्बिकापुर एवं वीर कुंवर सिंह आरा के विरुद्ध खेला जाना था जिसमें सरगुजा विश्वविद्यालय अम्बिकापुर को वाकओवर मिला।

मीडिया प्रभारी

प्रति,

संपादक,

.....

बिलासपुर(छ.ग.)